TELEPHONE : 23365912 (P&T)
23343493 (P&T)
81-22270 (Rly.)
81-22769 (Rly.)
Fax : 91-11-23363167

A.I.R.F.

All India Railwaymen's Federation
(Estd. 1924)

TELEGRAM : RAILWAYMEN
E Mail:-airfindia@yahoo.co.in
E Mail:-airf@sulb.vsnl.net.in

4, STATE ENTRY ROAD,
NEW DELHI-110055
INDIA

प्रकाशन के लिए

एआईआरएफ के आह्वान पर सरकार की मुद्रीकरण नीति के खिलाफ पूरे भारतीय रेलवे पर "चरम चेतावनी दिवस" का आयोजन

नई दिल्ली - 4 सितंबर 2021

भारत सरकार द्वारा रेलवे संपत्तियों की बिक्री के विरोध में ऑल इंडिया रेलवे मेन्स फेडरेशन की स्थायी समिति की बैठक 3 सितंबर 2021 को हुई थी, जिसमें एआईआरएफ से संबद्ध यूनियनों के सभी महासचिवों ने भाग लिया और सरकार के मुद्रीकरण के विरोध में नीति का पुरजोर विरोध किया।

एआईआरएफ के महासचिव श्री शिव गोपाल मिश्रा ने एआईआरएफ की 3 सितंबर को हुई इस वर्चुअल स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में बताया कि भारत सरकार के मुद्रीकरण अभियान के तहत रेलवे की 1,152,498 करोड़ रुपये की मूल्यवान संपत्ति है जिसमें 15 रेलवे स्टेडियम, 1400 कि.मी. ओएचई ट्रैक सामग्री, 90 यात्री ट्रेनें, भारतीय रेलवे कॉलोनी, 256 माल शेड, 4 पहाड़ी रेलवे और 741 किमी कोंकण रेलवे ट्रैक की बिक्री शामिल है। यह निर्णय लिया गया कि 8 सितंबर को "चेतावनी दिवस" आयोजित किया जाएगा।

महासचिव श्री शिव गोपाल मिश्रा ने आगे कहा कि 8 सितंबर 2021 को भारत सरकार की इस मुद्रीकरण नीति के खिलाफ 'चेतावनी दिवस' के तहत पूरे भारत के एआईआरएफ की सभी संबद्ध यूनियनों की शाखाओं द्वारा भारी विरोध किया जायेगा। रेलवे प्रदर्शनों, रैली और घर-घर जाकर सभाओं आदि के आयोजन के साथ भारत सरकार को ज्ञापन भी दिया जायेगा।

श्री मिश्रा ने कहा कि रेल कर्मचारी सरकार के इन फैसलों से डरने वाले नहीं हैं और हम किसी भी कीमत पर रेलवे की संपत्तियों का निजीकरण नहीं होने देंगे और न ही पूंजीपतियों के हवाले करेंगे क्योंकि देश तभी बचेगा जब रेलवे बचा लिया जाएगा। इसके साथ ही अगर सरकार ने इन फैसलों को जल्द नहीं रोका तो ऑल इंडिया रेलवे मेन्स फेडरेशन एक बड़े जन आंदोलन को छेड़ने के लिए बाध्य होगा और सारी जिम्मेदारी भारत सरकार की होगी।

महासचिव के लिए